

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—सम्ब 1

PART I-Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

स0 12]

मर्घ विल्लो, सीमवार, जनवरी 17, 1977/वौब 27, 1898

No. 12]

NEW DELHI, MONDAY, JANUARY 17, 1977/PAUSA 27, 1898

इस भाग में भिनन पृष्ट संख्या वी जाती हैं जिससे कि पह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके है

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF COMMERCE

PUBLIC NOTICE

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 17th January 1977

SUBJECT.—Import of edible oils and seeds. Import Policy for April 1976—March 1977.

No. 6-ITC(PN)/77—With a view to overcoming shortage of edible oils in the country, it has been decided to allow import of edible oils for direct human consumption, or for refining and blending for direct human consumption. It has also been decided to allow import of oil seeds for production of edible oils for direct human consumption. This facility of import of edible oils and oil seeds is not available for vanaspati industry, or for any other use, such as soap manufacture etc

- 2. Accordingly, import of the following oils and oil seeds will be allowed:
 - (f) Groundnut oil and groundnut seeds,
 - (h) Sunflower oil and sunflower seeds,
 - (ili) Soyabean oil and soyabean seeds,
 - (iv) Coconut oil and copra,
 - (v) Rapeseed oil and rapeseed seeds; and
 - (vi) Palm oil and palm seeds

- 3. Applications for grant of licences for import of edible oils or oil seeds may be made by units engaged in manufacturing, refining or blending of edible oils, or marketing of edible oils, for direct human consumption. These applications may be made to the licensing authorities under whose jurisdiction the applicant unit falls. These applications may be made in the prescribed form 'B-I' given in the Import Trade Control Hand Book of Rules and Procedure, 1976-77, alongwith treasury challan towards application fee for the value applied for, in accordance with the prescribed scale of fees.
- 4. Import licences will be granted for the value applied for with a validity of 12 months only.
- 5. Actual users engaged in the manufacture of vanaspati industry will not be eligible for licences for import of edible oils under this public notice. Requirements of vanaspati industry will be met by the State Trading Corporation of India Limited.

A. S. GILL,

Chief Controller of Imports and Exports.

बाणिज्य मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना

ष्प्रायात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1977

विवय:---बाद्य तेल भौर तेल बीजों का भ्रायात प्रप्रैल 1976-मार्च 1977 के लिए भ्रायात नीति।

सं० 6 आई ० दी० सी० (पीएम) / 77.—देश मे खाद्य तेल की कमी दूर करने के लिए यह निश्चय किया गया है कि मनुष्य द्वारा सीधे उपभोग के लिए या मनुष्य द्वारा सीधे उपभोग के लिए परिष्कृत करने और सम्मिश्रण करने के लिए खाद्य तेल के श्रायात की स्वीकृति दी जाए। यह भी निश्चय किया गया है कि मानव द्वारा सीधे उपभोग के लिए खाद्य तेल के उत्पादन के लिए तेल बीजो के श्रायात की स्वीकृति दी जाए। खाद्य तेल श्रीर तेल बीजो के श्रायात की यह सुविधा वनस्पति उद्योग या श्रन्य किसी उपभोग जैसे साबुन श्रादि के विनिर्माण के लिए उपलब्ध नहीं है।

- 2 तदनसार निम्नलिखित तेल भीर तेल बीओं के भायात की स्वीकृति दी जाएगी ---
 - (1) मूगफली का तेल ग्रौर मूंगफली के बीज;
 - (2) सूरजमुखी तेल धौर सूरजमुखी बीज;
 - (3) सोयाबीन तेल भौर सोयाबीन बीज,
 - (4) नारियल तेल ग्रौर खोपडा.
 - (5) तोरी का तेल भौर तोरी के बीज, भौर
 - (6) ताड का तेल भीर ताड के बीज ।
- 3. खाद्य तेल या तेल बीज के ब्रायात के लिए लाइमेस प्रधान करने के लिए उन एककों द्वारा भाषेदन किए जा सकते हैं जो मनुष्य द्वारा सीधे उपभोग के लिए खाद्य तेल के विनिर्माण करने, परिष्कृत करने या सम्मिश्रण करने या खाद्य तेल के मार्कीटिंग में लगे हुए हैं। इस प्रकार के आवेदन उन लाइमेंस प्राधिकारियों को किए जा सकते हैं जिनके क्षेत्राधिकार में श्रावेदक एकक आते हैं। इस प्रकार के ब्रावेदन श्रायात-व्यापार नियद्यण नियम तथा श्रिया विधि हैंड बुक, 1976-77 में दर्शाए गए निर्धारित 'बी-1' प्रपत्न में किए जाएं और इन के साथ शुल्क के निर्धारित ब्रनुपात के ब्रनुसार आवेदित मूल्य के लिए ब्रावेदन पन्न शृल्क के प्रति राजकोष जालान भी भेजा जाए।

- 4 मायात लाइसेंस केवल 12 मास की वैधता के साथ मावेदित मूल्य के लिए प्रदान किए जाएंगे।
- 5. वनस्पति उद्योग के विनिर्माण में लगे हुए वास्तविक उपयोक्ता प्रस्तुत सार्वजनिक सूचना के धन्सर्गत खाद्य तेल के भाषात के लिए लाइसेसो के लिए पान्न नहीं होंगे। वनस्पति उद्योग की भाषभ्यकताए राज्य व्यापार निगम भारत लि० द्वारा पूरी की जाएगी।

ए० एस० गिल, मुध्य नियनक, भायात-निर्यात ।

